इकाई – पंचम 20 अंक

5. प्राचीन गद्य रूप (वात, ख्यात, वचनिका, दवावैत)

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ'

इसमें दस वस्तुनिष्ठ लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से दो प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। ये दस प्रश्न विकल्प रहित होंगे। प्रत्येक प्रश्न का लघुत्तर लगभग 20 शब्दों में होगा।

(अंक 10)

खण्ड 'ब'

इस भाग में पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न दस अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दिया जा सकता है। (अंक 50)

खण्ड 'स'

इस भाग में चार विवेचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न बीस अंक का होगा। इन प्रश्नों में एक प्रश्न के दो भाग भी हो सकते हैं। (अंक 40)

टिप्पणी : प्रत्येक इकाई पर आलोचनात्मक प्रश्न पुस्तक, विषयवस्तु, काव्यपक्ष इत्यादि पर पूछे जा सकते हैं और दो व्याख्याएँ 10–10 अंकों की पूछी जा सकती है।

द्वितीय प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य

पाठ्य पुस्तकें

इकाई – प्रथम 20 अंक

1. वीर सतसई (सूर्यमळ मिश्रण कृत)
   सम्पादक : नरोत्तमदास स्वामी
   प्रकाशक : इण्डिया बुक हाउस, जयपुर

इकाई – द्वितीय 20 अंक

2. चेत मानखा : रेवत दान चारण 'कल्पित' (प्रारंभिक दस कविताएं)
   प्रकाशक : रूपायन संस्थान, जोधपुर

इकाई – तृतीय 20 अंक

3. लीलटांस : लेखक कन्हैयालाल सेठिया
   प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर

इकाई – चतुर्थ 20 अंक

4. मरनखो : लेखक गिरधारीसिंह पड़िहार
   प्रकाशक : पड़िहार प्रकाशन, बीकानेर

इकाई – पंचम 20 अंक

7. उक्त चारों पाठ्य पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार अंकों का विभाजन रहेगा –